* राजस्थान का एकीकरण *

जून 1947 में रियासती विभाग का गठन किया गया जिसके अध्यक्ष सरदार वल्लभभाई पटेल, सचिव वी.पी. मेनन थे

स्वतंत्रता व एकीकरण के समय 19 रियासतें 3 ठिकाने कुशलगढ़, लावा, और नीमराणा व एक केन्द्र शासित प्रदेश था (अजमेर मेरवाड़ा) था।

19 रियासतों सैल्यूट स्टेट तथा 3 ठिकानों नॉन सैल्यूट स्टेट कहा जाता है। 19 रियासतों में सबसे प्राचीन मेवाड़ थी और नवीन रियासत झालावाड़ थी

[यह अंग्रेजों द्वारा 1838]

- सबसे बड़ी रियासत मारवाड़ (जोधपुर)
- जनसंख्या दृष्टि से सबसे बड़ी जयपुर
- सबसे छोटी शाहपुरा (जनसंख्या व क्षेत्रफल दोनों में)

→ मुस्लिम रियासत — 1 टोंक

→ जाट रियासत — 2 भरतपुर, धौलपुर

→ कच्छवाह -2 जयपुर, अलवर
→ राठौड़ -3 जोधपुर, बीकानेर, किशनगढ़

→ चौहान रियासत - 4 कोटा व बून्दी (हाड़ा)
झालावाड़ व (झाला)
सिरोही (देवड़ा)

→ गुहिल / सिसोदिया - 05, उदयपुर, डूंगरपुर बाँसवाड़ा प्रतापगढ़, शाहपुरा।

जैसलमेर भाटि राजवंश व करौली यादव वंश का शासन था।

SMC Education www.Resultuniraj.co.in

Date ___/___/___

कोटा नरेश भीम सिंह ने कोटा, बुन्दी व झालावाड़ को मिलाकर हाड़ौती संघ बनाने का प्रस्ताव रखा था।

डूंगरपुर नरेश लक्ष्मण सिंह डूंगरपुर व बांसवाड़ा प्रतापगढ़ को मिलाकर वागड़ संघ बनाने का प्रस्ताव रखा था।

मेवाड़ के शासक भूपाल सिंह ने राजपूत रियासतों को मिलाकर राज. यूनियन संघ बनाने का प्रस्ताव रखा।

रियासति विभाग के नियमानुसार वे रियासतें स्वतंत्र बनाये रख सकती थी जिनकी जनसंख्या 10 लाख और वार्षिक आमदनी 1 करोड़ से अधिक थे।

राजस्थान में 4 रियासतें इस माप मार्गदर्शक पूरा करती थी—
(1) उदयपुर (मेवाड़)
(2) जोधपुर (मारवाड़)
(3) बीकानेर
(4) जयपुर

विलय पत्र सर्वप्रथम हस्ताक्षर बीकानेर नरेश शार्दूल सिंह ने तथा सबसे अन्त में धौलपुर नरेश उदयभान सिंह ने किया थे।
राज० का एकीकरण 18 मार्च 1948 से प्रारम्भ होकर 1 नवम्बर 1956 तक सात चरणों में पूरा हुआ था

SMC Education www.Resultuniraj.co.in

चरण नाम	समय	क्षेत्र	राजप्रमुख	प्रधानमंत्री	राजधानी	उद्घाटनकर्ता	विशेष
I मत्स्य संघ	18 मार्च 1948	A, B, C, D अलवर, भरतपुर, करौली, धौलपुर	धौलपुर उदयभान सिंह	शोभाराम कुमावत	अलवर	V.N. गाडगिल	इस चरण का नाम मत्स्य संघ K.M. मुंशी के सुझाव पर रखा गया
II पूर्व राजस्थान	25 मार्च 1948	कोटा, बून्दी, टोंक, झालावाड़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रताप., किशन., शाह.	भीमसिंह	गोकुललाल असावा	कोटा	V.N. गाडगिल	इस चरण में सर्वाधिक 9 रियासतों का विलय हुआ था
III ~~राज. संघ~~ संयुक्त राजस्थान	18 अप्रैल 1948	मेवाड़	भूपालसिंह	माणिक्य लाल वर्मा	उदयपुर	पं. जवाहरलाल नेहरू	
IV वृहत राजस्थान	30 मार्च 1949	मारवाड़, जय., बीका., जैस.	मानसिंह-II	हीरालाल शास्त्री	जयपुर	सरदार पटेल	भूपाल सिंह महाराजप्रमुख, सत्यनारायण समिति के आधार जयपुर राजधानी बनाया।
V संयुक्त वृहत राज.	15 मई 1949	मत्स्य संघ	"	"	"	—	— शंकरदेव राय की समिति के आधार पर मत्स्य संघ का विलय
VI राज. संघ	26 जनवरी 1950	सिरोही (आबू-देलवाड़ा को छोड़कर)	"	"	"	—	— प्रधानमंत्री पद का नाम मुख्य मंत्री कर दिया गया
VII पुनर्गठित राज.	1 नवम्बर 1956	आबू-देलवाड़ा, अजमेर-मेरवाड़ा, सुनेल टप्पा	गुरुमुख निहाल सिंह राज्यपाल	मोहनलाल सुखाड़िया (मुख्यमंत्री)	"	—	— राजप्रमुख पद समाप्त, मध्यप्रदेश के बदले सिरोंज क्षेत्र दिया

विलय पत्र पर हस्ताक्षर करते हुए बांसवाड़ा के शासक चन्द्रवीर सिंह ने कहा था मैं अपने डेथ वारन्ट पर हस्ताक्षर कर रहा हूँ।

अलवर नरेश तेजसिंह को गांधी के हत्यारे को संरक्षण देने के आरोप में नजर बन्द किया गया।